कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 2767929

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

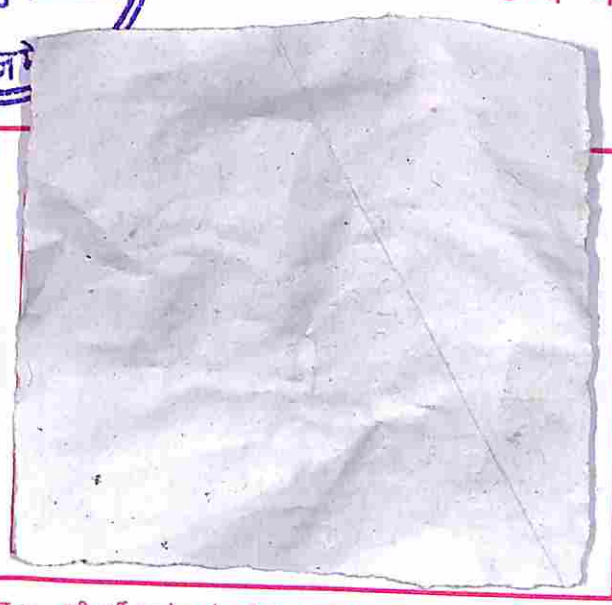

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय ..... इतिहास .....

परीक्षा का दिन ..... सोमवार .....

दिनांक ..... 11/9/2022 .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक 32428

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।168/2021

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	खण्ड - अ परीक्षार्थी उत्तर
Q.1		
(i)		
Ans.		चन्द्रगुप्त [अ]
(ii)		
Ans		दशपुर [स]
(iii)		
Ans		वाकाटक [द]
(iv)		
Ans		अल - बिरूनी [अ]
(v)		
Ans		पाटलिपुत्र [द]
(vi)		
Ans		बनावली [द]
(vii)		
Ans		मुहर [स]
(viii)		
Ans		बहादुर शाह जफर [द]

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
(ix) Ans		1793 [ब]
(x) Ans		अबुल फजल [ब]
(xi) Ans		1565 [द]
(xii) Ans		ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती [स]
12		
Q. 2 (i) Ans		द्वितीय विश्व युद्ध
(ii) Ans		गोलमेज सम्मेलन
(iii) Ans		सिराजुद्दौला की पराजय
(iv) Ans		1872 मे किया
(v) Ans		अमेरिका

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(vi)
Ans 6 कपास आपूर्ति संघ

Q.3
(i)
Ans महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आन्दोलन 1942 में प्रारम्भ किया

(ii)
Ans क्योंकि नमक कानून सरकार का सबसे घृणित कानून था । नमक सभी के घरों में प्रयोग होता था इसको ऊँचे दामों पर बेचा जाता था ।

(iii)
Ans गेटवे ऑफ इंडिया का निर्माण 1911 में राजा जार्ज पंचम व उनकी पत्नि मैरी के स्वागत के लिए करवाया था ।

(iv)
Ans. अवध को ब्रिटिश साम्राज्य में विलय 1856 में लार्ड डलहौजी के द्वारा किया गया ।

(v)
Ans अंडाल अलवार (विष्णु भक्त) संत स्त्री थी । इसने अपने आप को विष्णु की प्रेयसी बताया ।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(vi) Ans	अकबर ने ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की 14 बार यात्रा की थी।
	(vii) Ans	इब्न बतूता ने दिल्ली को भारत का सबसे बड़ा शहर बताया।
	(viii) Ans	शाहजहाँ के सबसे बड़े पुत्र का नाम 'दाराशिकोह' था।
	(ix) Ans	मनुस्मृति का संकलन 200 ई पूर्व से 200 ई तक किया गया।
	(x) Ans	मनुस्मृति में पैतृक संपति के बटवारे के संबंध में स्त्रीयों के लिए प्रावधान था कि पति से छुपाकर गुप्त धन अर्जित नही कर सकती है।
	(xi) Ans	बहिर्विवाह पद्धति :- गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति में रखा जाता है।

ESER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(xii) Ans

12

जॉन मार्शल ने सिंधु घाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज 1924 में कि।

खण्ड - ब

Q. 4 Ans

2

नवशास्त्रीय शैली :-
यूरोपिय व भारतीय शैली का मिश्रण है। इसलिए यूरोपियों ने नवशास्त्रीय शैली का प्रयोग किया क्योंकि उनको यूरोपिय शैली के मकानों में रहना पसंद था। वह भारतीय को नीचा दिखाने के लिए भी ऐसा करते थे।

Q. 5 Ans

1857 के विद्रोह के समय हिन्दु - मुस्लीम एकता के निम्नलिखित कदम उठाए गए

(i) नवाबों व बादशाहो के द्वारा जारी की गई अपिलों में मोहम्मद व महावीर की दुहाई दी जाती थी।

(ii) 1857 के विद्रोह को ऐसे युद्ध के रूप में पेश किया गया जिसमे हिन्दी - मुस्लिम दोनों का नफा व नुकसान बराबर था। हिन्दु - मुस्लिम अतित की ओर ध्यान दिया जाता था

2

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q. 6
Ans

1857 के विद्रोह के समय भारतीय सैनिको मे असन्तोष के कारण निम्न है -

(i) सैनिको के असन्तोष इसलिए थे क्योकि एन्फिल्ड राइफल का प्रयोग दांतो से खीचकर किया जाता जिसमे अंग्रेजो ने गाय व सुअर की चर्बी मिला दि है।

(ii) बाजार मे मिलने वाले आटे मे गाय व सुअर की हड्डियो का चूरा मिला रखा है।

2

Q. 7
Ans

(i) **रैयतबाड़ी व्यवस्था** :- रैयतबाड़ी व्यवस्था 1820 मे बंबई मे लागु की गई इसमे अग्रेज सीधा किसानो से जाकर लगान वसूल करते थे।

(ii) **इस्तमरारी बंदोबस्त** :- इस्तमरारी बंदोबस्त 1793 मे बंगाल मे चार्ल्स कार्नवालिस के द्वारा लागू किया गया। इसमे किसानो से अंग्रेज अप्रत्यक्ष रूप से लगान बसूल करते थे। जमीदारो के द्वारा गॉव से लगान (कर) बसूला जाता था।

2

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q. 8
Ans

संथाल विद्रोह के कारण -

(i) संथालों को 1832 में दामिन-ई-कोह नाम से जो जमीन दी गई थी उनके हाथो से निकलती जा रही थी।

(ii) जमीन पर जमींदार अपना अधिकार जमाते थे तथा साहूकारों ने ब्याज अधिक लगाना शुरु कर दिया। जमींदार अधिक कर वसूल करने के कारण

- इसलिए या निम्न कारणों की वजह से संथालो ने 1855-56 में विद्रोह कर दिया।

2

Q. 9
Ans

विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय के द्वारा अपनायी गई नीति जोखिमपूर्ण थी क्योंकि प्रधानमंत्री रामराय के नेतृत्व में 1565 में तालीकोट का युद्ध हुआ जिसमें अहमदनगर, गोलकुण्डा और बीजापुर की सेना ने विजयनगर को खूब लूटा और इस युद्ध में रामराय की मृत्यु हो गई इसके कुछ वर्षों के बाद विजयनगर पूरी तरह बिखर गया या समाप्त हो गया आज इसको हम्पी यहाँ की प्रांत देवी पम्पा देवी के नाम पर याद रखा जाता है यह सब रामराय की नीति के कारण हुआ

2

BSER-16/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
Q.10 Ans	(i)	विजयनगर के शासकों में स्थापत्य कला के 'गुम्बद' का प्रयोग तुर्क सुल्तानों द्वारा प्रचलित स्थापत्य से प्रभावित थे।
2	(ii)	इन्होंने तुर्क सुल्तानों से मेहराब के प्रवेश द्वारा आदि तुर्की सुल्तानों द्वारा लिए गए स्थापत्य थे।
Q.11 Ans		सूफी सन्तों की लोकप्रियता का कारण-
	(i)	सूफी सन्तों ने राज्य व शासक से दूरी बनाए रखते थे लेकिन शासकों द्वारा दि गई भेंट को अस्वीकार नहीं करते थे।
	(ii)	सूफी सन्तों ने अपने-आप को खानखाह के इर्द-गिर्द स्थापित किया।
	(iii)	लोगों को ऐसा मानना था कि सूफियों के पास अलौकिक शक्तियां है।
2	(iv)	सूफी अपनी दरगाह की वजह से भी लोकप्रिय होते थे मुइनुद्दीन चिश्ती को गरीब नवाज व शेखों को सुल्तान उपाधियां दी गई थी।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.12 Ans

इब्न बतूता भारत की डाक प्रणाली को देखकर चकित रह गया उसने बताया कि भारत मे दो प्रकार की डाक प्रणाली है।

डाक प्रणाली

(i) अश्व डाक प्रणाली — (ii) पैदल डाक प्रणाली

(i) अश्व डाक प्रणाली :- अश्व डाक प्रणाली को 'उलुक' भी कहा जाता है हर 4 मील पर एक राजकीय घोडा तैनात रहता है।

(ii) पैदल डाक व्यवस्था :- पैदल डाक व्यवस्था को 'दावा' भी कहा जाता था। इसमे हर 1 मील पर 3 व्यवस्थाए थी एक व्यक्ति एक हाथ मे छड लेकर दौडता जिसमे घंटिया बंधी होती थी।

- जहा दिल्ली से सिंध की यात्रा मे 50 दिन लगते 5 दिन मे सूचना व माल को भेज दिया जाता था।

2

Q. 13 Ans

इब्नबतूता दिल्ली 1333 ई॰ मे पहुचा व दिल्ली जाने से पहले ईरान, फारस, यमन, ओमान

BSER 108/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2		आदि की यात्रा करके आया था तथा वह मुल्तान के रास्ते दिल्ली पहुंचा यहा का सुल्तान "मोहम्मद बिन तुगलक" था
	Q. 14 Ans	गोत्र व्यवस्था के दो नियम निम्न है -
	(i)	एक ही गोत्र के लोग आपस मे विवाह संबंध नही कर सकते थे।
2	(ii)	कुल किसी एक वैदिक ऋषि के नाम पर होता था • वशिष्ठ, गौतम •
	Q. 15 Ans	क्योकि उस समय चंद्रगुप्त जैसे शासक नही थे सोने का प्रयोग अधिक नही होता है।
2	(1)	सुदूर क्षेत्रो से व्यापार नही होने के कारण
	(2)	सोने के सिक्के बहुत कम प्रचलन मे थे
	(3)	सामन्ता खत्म हो चुका था।
	(4)	सुदूर क्षेत्रो मे अपने अभियान योजना बंद कर दिय
	Q. 16 Ans	सिंधु घाटी मे प्रचलित बाटो की विशेषताए -
	(i)	बाटो का प्रयोग किसी वस्तु को तोलने व मापन के लिए बाट महत्वपूर्ण थे।

BSER-168/2021

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर
B.S.E.R. Y

नामांक Roll No.						
2	9	4	4	2	2	2

SS-13-Hist.

इतिहास (HISTORY)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2022

Outline Map of INDIA

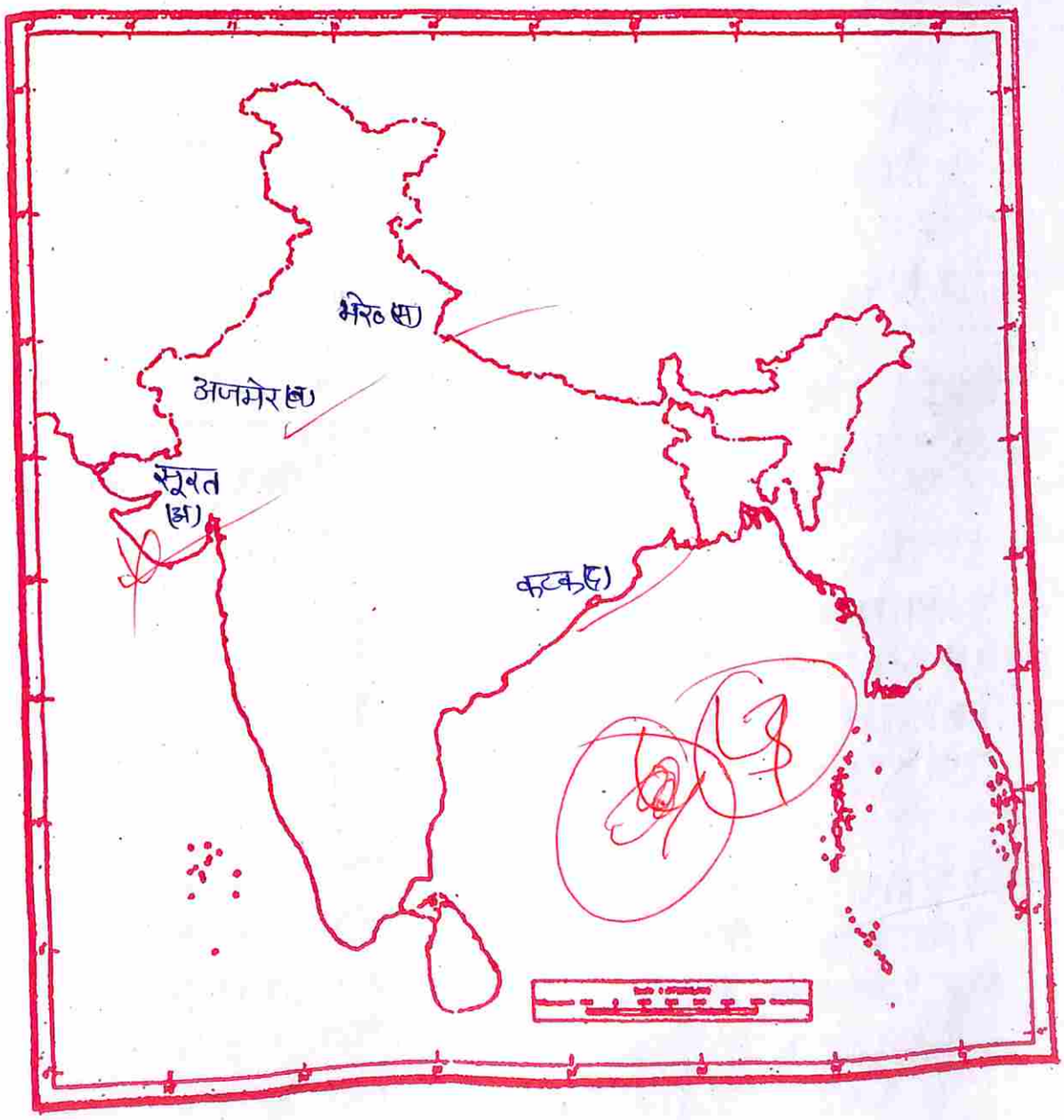

Cut Here ------ यहा से काटे

CONFIDENTIAL

CONFIDENTIAL

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) बाये का सामान मान के आधार पर बनाया जाता था 2 : 4 : 8 : 16 : 32 बाये की वर्तमान मे प्रासंगिकता भी ही आज भी बाये का प्रयोग समान रूप से किया जाता है।

2

खण्ड - स

अथवा

Q.17 Ans

मगध के उत्थान के तीन कारण -

(i) मगध मे लोहे की खदाने थी जिससे औजार व हथियार बनाना आसान था वर्तमान झारखंड मे।

(ii) मगध में जंगलो मे हाथी बहुतायक मे प्राप्त थे जिससे की युद्ध के समय हाथी का महत्वपूर्ण प्रयोग व उपयोग था।

(iii) मगध मे जीवनदायिनी गंगा नदी बहा करती थी व इसको तीन ओर से पहाडियो ने घेरा था सुरक्षा की दृष्टि से अतः मगध में कोशल राजाओ की नीति महापद्मनंद, बिंबिसार व अशोक आदि राजा महत्वकांक्षी थे।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.18
Ans

सिंधु सभ्यता की कौन-कौन सी विशेषताएँ आज प्रशांगिक है निम्न है -

(1) सिंधु सभ्यता में घरों के निचले तल पर खिड़कीया नही होती थी।

(2) दूसरी मंजिल पर जाने के लिए सीढियो के साक्ष्य मिले है।

(3) बाहर के दरवाजे से भीतर तक देखा नही जा सकता था।

(4) हर घर मे स्नानगार था घर के चारो ओर कमरे व बीच मे आँगन होता था जो कताई करने व खाना पकाने के लिए काम आता था।

वर्तमान मे प्रसंगिकता -

(1) आज भी अमीर लोग ऊंचे मकानो मे रहते है और गरीब झोपड़ियों मे व ऊँचे घरो मे नही रहते है।

(2) अमीर लोगो के घरो मे मँहगी वस्तुएँ प्राप्त होती है जैसे मोहनजोदड़ो व हड़प्पा मे फयान्स प्राप्त से बने बर्तन प्राप्त होते है। जबकि छोटे घरो व बस्तिओ में ऐसी चीजे मिलना असंभव है। कालीबंगा, लोथल से ऐसी महगी वस्तुओं के साक्ष्य नही मिले है।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.19

Am

महानवमी डिब्बा :-

महानवमी डिब्बा राजकीय भवन जिसमे दो संरचनाए मिली थी (i) सभा मंडप (ii) महानवमी डिब्बा

महानवमी डिब्बा से आशय है विशाल मंच जिसकी आधार 11000 फीट व 40 फीट ऊचाई वाला विशाल मंच था

महानवमी से आशय है - महा नवा डिवस जिसको बंगाल में दुर्गापूजा प्रायद्वीप भारत में नवरात्री यह सितम्बर अक्टुम्बर के महीने मे दशहरा भी आता है मनाया जाता है इस अबसर पर बिजयनगर के शासक अपनी शक्ति, सत्ता का प्रदर्शन करते थे तथा हाथियो, की घोडो को शोभायात्रा निकालते थे इस अबसर पर - जानवरो की बली दी जाती थी भैंस

इस दिन राजा अपनी सैना का निरक्षण करता था तथा अपनी प्रजा के सामने सैना की शोभायात्रा निकलवाता था इस अबसर पर राजा के अधिन लोग राजा के लिए उपहार लाया करते थे तथा, इस को धूम-धाम के साथ मनाया जाता था।

3

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अथवा

Q. 20 Ans

औपनिवेशिक सरकार के लिए शहरो के मानचित्र तैयार करवाना उपयोगी निम्न करणों से था -

(i) औपनिवेशिक सरकार ने शहरो के लिए मानचित्र बनवाये क्योंकि मानचित्रों के द्वारा ही किसी क्षेत्र की भूगोलिक स्थिति का पता चलता है।

(ii) मानचित्र बनाने से शहरो का नया नक्शा तैयार हो गया जिससे किसी भी क्षेत्र पर आसानी से नियंत्रण किया जा सकता था।

(iii) मानचित्र से किसी क्षेत्र की हरियाली, पहाड़ क्षेत्र का पता चलाया जा सकता था।

(iv) मानचित्रो के प्रयोग से जनसंख्या के ज्यादा भीड़- भाड़ वाले क्षेत्रो को साफ कर के शहर से बाहर बसाया जा सकता था

(v) मानचित्र के प्रयोग से अंग्रेजो ने अपना नियंत्रण अधिक मजबूत कर लिया।

3

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - द

Q.21 अथवा

Ans

कर्नाटक की विरशैव परम्परा :- बारहवी शताब्दि मे कर्नाटक में विरशैव परम्परा बासवन्ना के नेतृत्व मे आरम्भ हुई बसन्ना कालाचुरी राजा के दरबार मे मंत्री था वह एक ब्रह्माण था बासन्ना ने विरशैव परम्परा का प्रचलन किया -

(i) विरशैव - शिव के वीर
(ii) लिगायत - लिंग धारण करने वाले

जिन लोगों के साथ वर्ण व्यवस्था मे भेद-भाव होता था वे लिंगायतों के अनुयायी हो जाते थे। लिंगायतो को एक लघु लिंग अपने बॉये कन्धे पर धारण करना होता था लिंगायतो ने निम्न परम्पराओं का विरोध किया -

(i) लिंगायतों ने वयस्क विवाह व विधवा पुर्नविवाह को स्वीकृति दी।
(ii) छुआछूत का विरोध किया।
(iii) हिन्दु-मुस्लिम एकता पर बल दिया।
(iv) वर्ण व्यवस्था का विरोध
(v) ब्रह्माणो के अस्पृश्यता के नियम को नकारा।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

- कर्नाटक मे बासवन्ना के नेतृत्व मे इस परंम्परा को उन लोगो ने स्वीकार किया जिनके साथ भेद-भाव होता था।
- इस परम्परा को मानने वाले लिंगायत या वीरशैव कहलाते थे इसमे अस्पृश्य लोगों ने अपनाया।
- लिंगायतो को वेल्लार कृषको द्वारा सम्मानित किया जाता था।

4

Q.22 अथवा

Ans

<u>नमक सत्याग्रह</u> :- अंग्रेजो के सबसे घृणित कानूनों मे से एक नमक कानून था नमक का प्रयोग हर घर मे अनिवार्य था नमक को बाजारो मे ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था। नमक कानून को खत्म करने के लिए गाँधी जी ने सत्याग्रह किया। गांधी जी ने अपने आन्दोलन मे नमक कानून को तोडने के लिए यात्रा प्रारम्भ की तथा गाँधी जी ने अपने आन्दोलन मे अहिंसा का प्रयोग किया उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार हमसे अधिक शक्तिशाली है इसलिए उनको हथियारो व लडाई से हराना नामुमकिन है।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

नमक यात्रा को गांधी जी ने 78 अनुयायियों के साथ 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से शुरू किया गया। इस यात्रा को भारी जनसमर्थन मिला

तीन विशेषताएं :-

(i) नमक यात्रा के चलते गाँधी जी पूरी इंडिया की नजरों में आये क्योंकि नमक यात्रा व गाँधी जी को यूरोप, अमेरिका के प्रेसों में छापा गया था।

(ii) यह पहली यात्रा थी जिसमे महिलाओं नें बढ़-चढ़ कर भाग लिया था कमलादेवी चट्टोपाध्याय ने गाँधी जी को समझाया की आन्दोलन को पुरुषों तक शिमित ना रखें।

(iii) इस यात्रा के चलते अँग्रेजो को यह आभास हो गया था कि उनका शासन अब ज्यादा दिनों तक नही चलने वाला उनको भारतीयो को सत्ता मे भागीदारी देनी होगी।

नमक यात्रा जब आरम्भ हो गई तो अमेरिका की प्रेसो यह छापा गया की गाधी जी दो दिन चलने के बाद धरती मे पसर जाएंगे 'टाइम' पत्रिका ने गाधी जी का मजाक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उठाया।
"यंग" पत्रिका को गांधी जी पर हँसी आती थी कि तकुए जैसे शरीर व 'मकड़ी' जैसे पेट गांधी जी के लिए प्रयोग शब्द थे।
परन्तु धीरे-धीरे पत्रिका की सोच बदल गई कि इस यात्रा को भारी जनसमर्थन मिला तथा गांधी जी के लिए महात्मा, बाबा जैसे शब्दों का प्रयोग करने लगी।
• नमक यात्रा में 60,000 लोगों को कैद कर लिया गया तथा 5 अप्रैल 1930 को गांधी जी दांडी पहुंचे व 6 अप्रैल 1930 को उन्होंने नमक बनाकर अपने-आप को कानून की निगाहों में अपराधी घोषित कर लिया तथा गाँधी जी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।
वर्ष की सजा उनको सी. एन. ब्रूमफील्ड ने सुनाई।

— समाप्त —

4

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

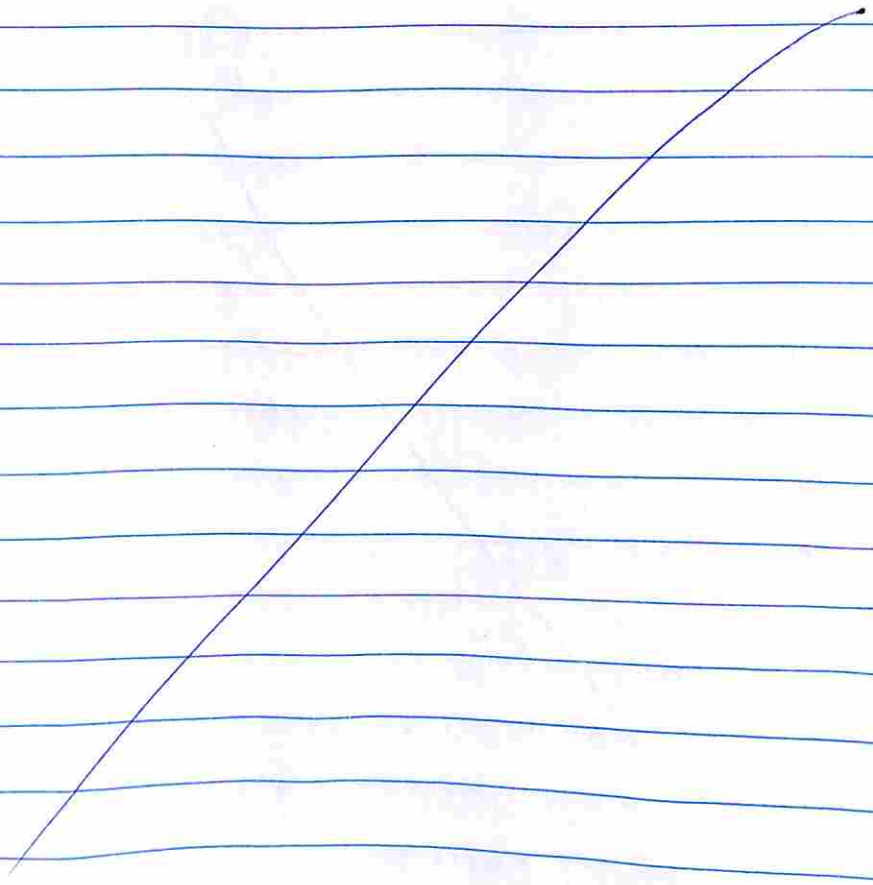

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

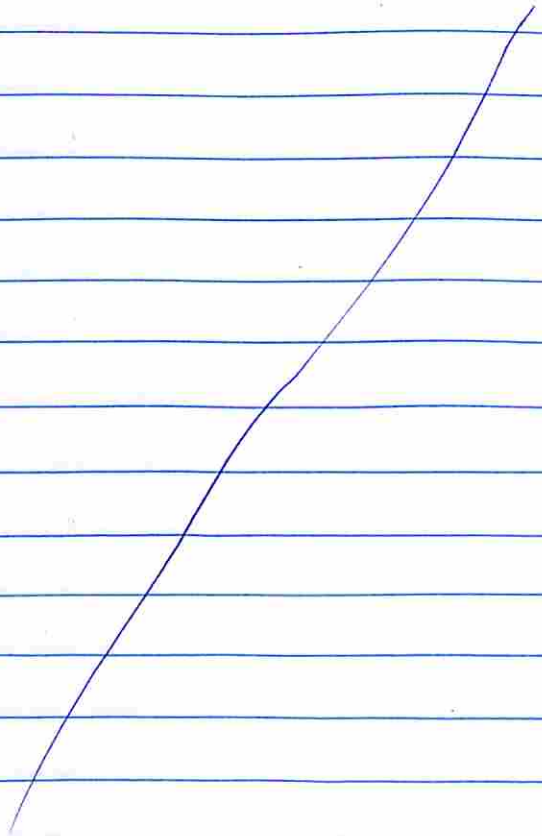

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

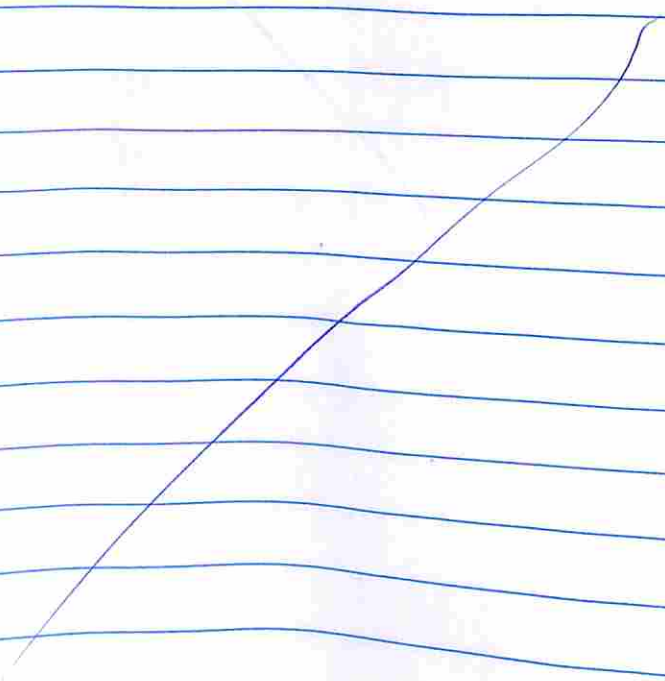

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

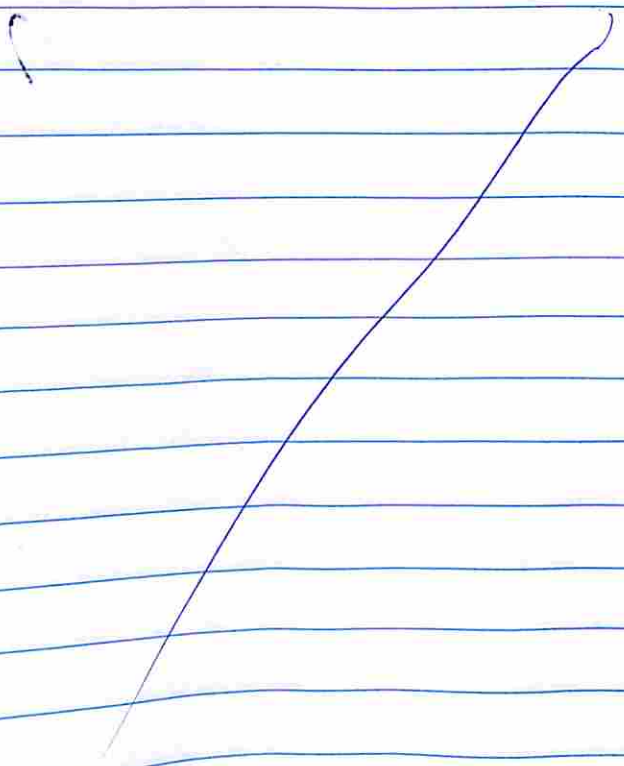

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021